Shivajaya Stuti

शिवजयस्तुतिः

Document Information

Text title : Shivajaya Stuti

File name : shivajayastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | IshAkhyaH dvAdashamAMshaH | 34 jayastutiH | 107-114.1 ||

Latest update : December 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

December 28, 2024

sanskritdocuments.org

शिवजयस्तुतिः

(शिवरहस्यान्तर्गते ईशाख्ये)

(सुब्रह्मण्यप्रोक्तम्)

जय जय विश्वविधान दक्षशिक्ष
जय जय कारण कारणेन्दुमौले ।
जय जय सर्वसुरानुरागसिन्धो
जय जय भक्तजनावनैकबन्धो ॥ १०७॥

जय जय पुण्यविचित्र चारुकीर्ते
जय जय भक्तकदम्बदारितार्ते ।
जय जय निगमान्त घोषिताऽऽद्य (?)
जय जय संसृतिरुग्विनाशवैद्य ॥ १०८॥

जय जय सर्वसुरोरुसर्वनाथ
जय जय श्रीपर्वतेन्द्रजासनाथ ।
जय जय चारुशशाङ्कशोभिमौले
जय जय पापगिरीन्द्रपक्षवज्र ॥ १०९॥

जय जय कालभुजङ्गनाशशील
जय जय कुण्डलकुण्डलीशमाल ।
जय जय भस्मविभूषणाङ्गसङ्ग
जय जय भक्तहृदब्जपापभङ्ग ॥ ११०॥

जय जय कृत्तिवसान विश्वमूर्ते
जय जय सर्वजनावनैकतान ।
जय जय हेमसमानदाम शोभिन्
जय जय दूरविनाशिचारुकाम ॥ १११॥

जय जय देहवरार्धशोभिकान्त

जय जय भक्तजनैकभूषितान्त ।
जय जय देव वरैहि हृतारिजाड्य (?)
जय जय भक्तहृद्ब्जमौढ्यनाथ ॥ ११२॥

जय जय पङ्कजमित्रचारुनेत्र
जय जय पर्वतराजजाकलत्र ।
जय जय भस्मविभूष भक्तपोष
जय जय कण्ठविचित्रहारशेष ॥ ११३॥

जय जय गाङ्गतरङ्गशोभिमौले
जय जय विश्रुतवेदजालघोष । ११४.१

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते सुब्रह्मण्यप्रोक्तं शिवजयस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । ईशाख्यः द्वादशमांशः । ३४ जयस्तुतिः । १०७-११४.१ ॥

- .. shrIshivarahasyam . IshAkhyaH dvAdashamAMshaH . 34 jayastutiH . 107-114.1 ..

Notes:

Subrahmaṇya सुब्रह्मण्य spells out (for Jaigīṣavya जैगीषव्य) the ŚivaJayaStutiḥ शिवजयस्तुतिः for eulogizing Śiva शिव.

The composition adheres to Mṛgendramukha Candaḥ मृगेन्द्रमुख छन्दः for most parts, and some edits have been made to that effect.

ŚivaJayaStotram शिवजयस्तोत्रम् can be accessed from one of the links given below.

Proofread by Ruma Dewan

Shivajaya Stuti
pdf was typeset on December 28, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*